छत्तीसगढ़ टी कॉफी बोर्ड

चर्चा में क्यों?

17 अक्तूबर, 2021 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य के स्थानीय कृषकों एवं प्रसंस्करणकर्त्ताओं को अधिकतम लाभ सुनिश्चित करने और राज्य में चाय-कॉफी की खेती को बढ़ावा देने के लिये कृषि मंत्री की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ टी कॉफी बोर्ड का गठन किये जाने का निर्णय लिया।

प्रमुख बिंदु

- इस बोर्ड में उद्योग मंत्री उपाध्यक्ष होंगे। बोर्ड में मुख्यमंत्री सचिवालय के अतिरिक्त मुख्य सचिव, कृषि उत्पादन आयुक्त, सीएसआईडीसी के प्रबंध संचालक, कृषि उद्यानिकी तथा वन विभाग के एक-एक अधिकारी सहित दो विशेष सदस्य भी शामिल किये जाएंगे।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी 3 वर्षों में कम-से-कम दस-दस हज़ार एकड़ में चाय एवं कॉफी की खेती करने का लक्ष्य अर्जित किया जाएगा। चाय एवं कॉफी की खेती करने वाले किसानों को **राजीव गांधी किसान न्याय योजना** एवं कृषि विभाग की अन्य सुविधाएँ दी जाएँगी।
- उल्लेखनीय है कि राज्य के उत्तरी भाग, विशेषकर जशपुर ज़िले में चाय तथा दक्षिणी भाग, विशेषकर बस्तर ज़िले में कॉफी की खेती एवं उनके प्रसंस्करण की व्यापक संभावनाएँ हैं।
- इसमें उद्यानिकी एवं उद्योग विभाग की महत्त्वपूर्ण भूमिका होगी। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित संस्थानों से तकनीकी मार्ग-दर्शन लेने के साथ ही निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों, निवेशकों एवं कंसल्टेंट्स की सहायता भी ली जाएगी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/chhattisgarh-tea-coffee-board